

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 257 बेमेतरा, मंगलवार 12 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

बीएसएफ ने सेल्फ डिफेंस में चलाई गोली, त्रिपुरा बॉर्डर पर 2 बांग्लादेशियों की मौत

नई दिल्ली। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर रात सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्कर मारे गए। यह घटना कमलासागर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास हुई। यह इलाका तस्करी की गतिविधियों के लिए कुख्यात है, जिसमें कथित तौर पर सीमा के दोनों ओर के ग्रामीणों की मदद शामिल होती है। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की रात अंधेरे का फायदा उठाकर 10-15 लोगों का एक समूह सीमा पर लगी बाड़ के पार अपने भारतीय साथियों को सामान सौंप रहा था, तभी बीएसएफ की गश्ती टीम ने उन्हें देख लिया। जब जवानों ने उन्हें ललकारा और रोकने की कोशिश की, तो तस्करों ने कथित तौर पर उन पर पथराव शुरू कर दिया। इसके जवाब में बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग की, जिसमें दो लोग घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इनकी पहचान नबीन हुसैन (20) और मोहम्मद मुरसलान (40) के रूप में हुई है।

भारत-नेपाल सीमा पर फंसे सैकड़ों ट्रक, सोनौली में 10 किमी लंबी कतार से बढ़ी परेशानी

महराजगंज। अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) नियम को लेकर नेपाल भंसार विभाग की तरफ से ढील मिलने के बाद व्यापारियों को राहत मिली है। लाइन में लगे मालवाहकों को नेपाल जाने की अनुमति मिलने से 90 भारतीय ट्रक नेपाल चले गए हैं। हालांकि नेपाल में शनिवार और रविवार सार्वजनिक अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में ट्रक अब भी सोनौली सीमा में फंसे हुए हैं। जिससे नौतनवा-सोनौली मार्ग पर करीब 10 किलोमीटर लंबी कतार लग गई है। ऐसे में चालकों को खाने-पीने, पानी और पाकिंग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे भैरहवा-सोनौली सीमा क्षेत्र में उहापोह जैसी स्थिति बनी है। ट्रक चालकों व व्यापारियों की परेशानियां कम नहीं हो पा रहीं हैं। नेपाल भंसार विभाग द्वारा अस्थायी सहूलियत दिए जाने के बाद कस्टम क्लियरेंस का कार्य गुरुवार को शुरू हुआ।

पानीपत में पुत्रवधू की प्रताड़ना से तंग आकर सास-ससुर ने खाय़ा जहर, दोनों की मौत

नई दिल्ली। पुत्रवधु और उसके परिजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर सास-ससुर ने जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। मतलौडा थाना क्षेत्र के नारा गांव विवासी राजेश और उनकी पत्नी सुमन ने शनिवार दोपहर को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। दोनों को गम्भीर हालत में जिला नगरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि दिल्ली की रहने वाली पुत्रवधु के साथ पहनावे को लेकर अक्सर उनकी बोलचाल होती रहती थी। राजेश के भाई नरेश ने बताया कि उनके भाई के एक बेटा आशीष और एक बेटी हैं। आशीष ने जनवरी 2025 में दिल्ली की स्नेहा से प्रेम विवाह किया था। दोनों की सोशल मीडिया के माध्यम से बात हुई थी।

सोमनाथ की पवित्र भूमि से पीएम मोदी की हुंकार

कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती-प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' में हिस्सा लिया। यह महोत्सव भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने गुजरात की जनता को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य उत्सव को पवित्र बताया और कहा आज, प्रभास पाटन की यह पवित्र भूमि एक दिव्य आभा से भर उठी है। महादेव का यह साक्षात रूप, आकाश से पूर्वों की वर्षा, कला, संगीत और नृत्य की भव्य प्रस्तुतियां, वैदिक मंत्रों का उच्चारण, गर्भगृह में शिव पंचाक्षरी का निरंतर पाठ, और इन सबके साथ-साथ, सागर की लहरों की विजयी गर्जना ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सृष्टि एक साथ मिलकर जयघोष कर रही हो। उन्होंने जय सोमनाथ की हुंकार भी भरी। दुनिया में भारत की पहचान और उसमे वैज्ञानिकों के योगदान का भी उल्लेख किया। सोमनाथ में पीएम मोदी ने कहा, 11 मई को, पहले तीन परमाणु परीक्षण किए गए थे। हमारे



वैज्ञानिकों ने, जो भारत के गौरव हैं, पूरी दुनिया के सामने भारत की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई। कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन 13 मई को, दो और परमाणु परीक्षण किए गए। इसने दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी दृढ़ है। उस समय, पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था। फिर भी, अटल जी के नेतृत्व में, भाजपा सरकार ने यह साबित कर दिया कि हमारे लिए, राष्ट्र सबसे पहले आता है। धरती की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती; कोई भी ताकत उसे दबाव के आगे झुकने पर

मजबूर नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के इतिहास के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि, दुनिया भर में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां विदेशी आक्रमणकारियों ने उन स्थलों को नष्ट कर दिया जो किसी राष्ट्र की पहचान से गहराई से जुड़े थे। फिर भी, जब भी उन राष्ट्रों के लोगों को अवसर मिला, वे अपनी पहचान को वापस पाने और अपनी राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए एकजुट हुए। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस को भी निशाना बनाया और कहा, यहां हमारे देश में, राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े मामलों पर भी राजनीति होती रही।

जिसके नाम में ही सोम हो उसे कौन नष्ट कर सकता है

पीएम ने कहा- जब चंद्रयान मिशन सफल हुआ और रोवर जिस जगह लैंड हुआ उसका नाम भी शिवशक्ति पॉइंट रखा गया। क्योंकि हमारी आस्था में चंद्रमा शिव से और शिव शक्ति से जुड़े हैं। इसलिए चंद्रमा के नाम से ही इस शिवलिंग को सोमनाथ कहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा- मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं। पिछली बार यहां आने पर मैंने कहा था कि जिसके नाम में ही सोम हो उसे कौन नष्ट कर सकता है? पीएम ने कहा- लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर को मिटाने का प्रयास किया। वे भौतिक ढांचा बार-बार मिटाते रहे। मंदिर हर बार उठ खड़ा हुआ। क्योंकि तोड़ने वालों को मालूम नहीं था कि हमारा वैचारिक सामर्थ्य क्या है। हम भौतिक शरीर को नश्वर मानने वाले हैं। शरीर के भीतर बैठी आत्मा अविनाशी है।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव से 20 हजार भारतीय नाविक संकट में फंसे

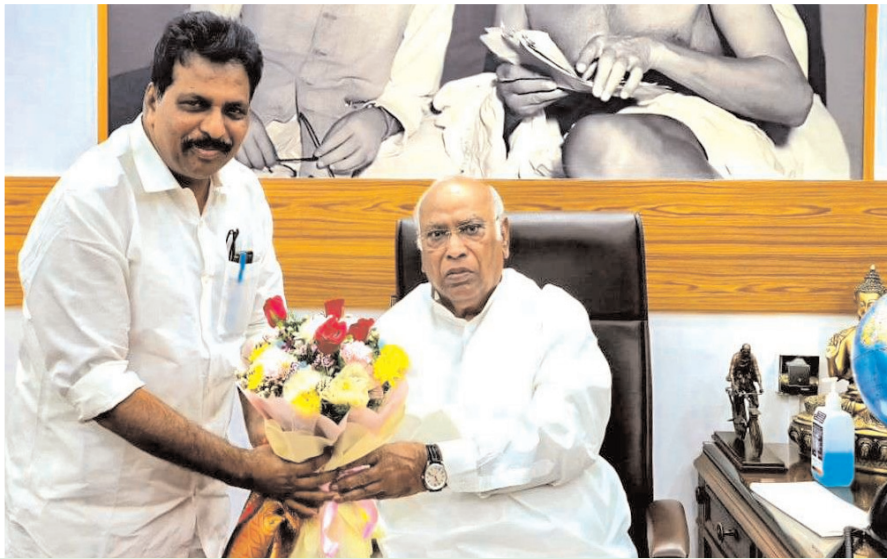
नई दिल्ली। एनयूएसआई ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते तनाव के बीच 20 हजार से अधिक भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। यूनिनय ने आशंका जताई है कि यदि संघर्ष और बढ़ा तो जहाज समुद्र में फंस सकते हैं और चालक दल को भोजन व दवाओं जैसी जरूरी सुविधाओं के बिना मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। एनयूएसआई ने केंद्र सरकार से इस मामले को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानते हुए तत्काल निकासी प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की है।



अब आगे क्या?

निदा खान के सेंट्रल जेल जाने के बाद अब नासिक पुलिस इस मामले में वार्जंशिट दाखिल करने की तैयारी करेगी। वहीं, आरोपी के वकील जल्द ही जमानत याचिका दायर करने की योजना बना रहे हैं। दूसरी ओर, हिंदुवादी संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने इस मामले में निष्पक्ष जांच और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर दबाव बनाया हुआ है। नासिक पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम इस मामले के हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रही है।

आरोपी से गहन पूछताछ की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ने निदा खान के मोबाइल डेटा, चैट हिस्ट्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को खंगाला है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस धर्मांतरण के पीछे कोई संगठित सिंडिकेट या बाहरी नेटवर्क काम कर रहा था।



कांग्रेस नेता कोडिकुत्रिल सुरेश ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की.

हिमाचल के चंबा में बड़ा हादसा!

150 फीट गहरी खाई में गिरी ट्रैवलर,6 लोगों की दर्दनाक मौत, कई घायल....

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बड़ी दुर्घटना की खबर सामने आई है। चंबा जिले में स्थित भटियात के काकिरा में एक टेम्पो ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। काकिरा में एक पर्यटकों से भरी ट्रैवलर 150 से 300 फीट गहरी में खाई में गिर गयी। घटना इतनी भीषण थी कि, इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 3 बजे

पर्यटकों से भरी एक इनोवा क्रिस्टा ट्रैवलर का नियंत्रण बिगड़ा और गाड़ी 150 से 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। ट्रैवलर में कुल 10 लोग मौजूद थे, जिनमें से 6 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अन्य 4 लोगों के सिर पर गंभीर चोट लगने से हालत नाजुक बताई जा रही है। घायलों को तुरंत टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर



भेजी गई। स्कू विजय सकलानी ने इस घटना की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक गुजरात के पर्यटक थे। गुजरात के सभी पर्यटक

मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे। हादसे के वक्त इलाके में भारी बारिश हो रही थी। बारिश के कारण सड़क भी गीली थी। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। अंधेरा होने के कारण पुलिस को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सभी को बाहर निकाला और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस

ईडी का दावा-जैकलीन फर्नांडिस को थी जानकारी

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये के कथित ठगी मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मामले में सरकारी गवाह बनने के लिए अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से दायर याचिका पर श्व्र ने अपना जवाब अदालत में दाखिल कर दिया है। श्व्र ने अपने जवाब में कहा है कि जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर उनका यह दावा कि वह पीड़िता हैं, तथ्यों से मेल नहीं खाता। एजेंसी के



अनुसार, सबूत यह संकेत देते हैं कि वह सुकेश चंद्रशेखर की आपराधिक पृष्ठभूमि और उसके लेन-देन से अनजान नहीं थीं।

मरीजों की जान से खिलवाड़!

सरकारी अस्पतालों में एक्सपायरी के करीब दवाओं की सप्लाइ

हमर अस्पताल में करोड़ों की दवाएं डंप, पूर्व विधायक ने उठाए सवाल रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की सप्लाई और भंडारण को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने हमर अस्पताल गुडियारी में दवाओं के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि अस्पताल में करोड़ों रुपये की दवाओं का स्टॉक डंप कर रखा गया है, जबकि मरीजों को जरूरी दवाएं समय

पर नहीं मिल पा रही हैं। विकास उपाध्याय ने कहा कि अस्पताल में बड़ी मात्रा में ऐसी दवाएं रखी गई हैं, जिनकी एक्सपायरी डेट बेहद करीब है। कई दवाएं एक्सपायर होने की स्थिति में हैं, जबकि कुछ दवाएं कथित तौर पर एक्सपायर होने के बाद भी अस्पताल परिसर में पड़ी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सपायरी दवाओं को कूड़े की तरह रखा गया है और मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पूर्व विधायक उपाध्याय ने आरोप लगाया कि दवा सप्लाई में टेंडर प्रक्रिया के जरिए ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। जिन दवाओं की अस्पतालों में मांग नहीं है, उनकी अधिक मात्रा भेजी जा रही है, जबकि जरूरी दवाओं की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो



रही। उन्होंने कहा कि बीपी, शुगर, गर्भावस्था और नवजात शिशुओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण दवाएं एक्सपायरी के कगार पर पड़ी हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मरीजों को ऐसी दवाएं बांटी जा रही हैं, जिनकी एक्सपायरी इसी महीने होने वाली है। विकास उपाध्याय ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों व सप्लायरों पर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि एक्सपायरी से 6 माह पहले दवा वापस भेजने का प्रावधान है, लेकिन अस्पतालों में एक्सपायरी के करीब दवाओं की सप्लाई हो रही है। एंटासीड का एक्सपायरी डेट अगस्त 2026 है। इसी तरह इथोफ्रॉलीन और थियोफाईलीन- सांस की बीमारी को दवा जून 2026, बूपी

वैकसीन इंजेक्शन अगस्त 2026, इंजेक्शन जून 2026, लेबेटाल टेबलेट जून 26, बायोकार्ड प्रेगनेंसी टेस्ट किट मई 2026, आयरन फोलिक एसिड मई 2026 को एक्सपायर हो जाएगा। ये हैं एक्सपायरी दवाएं इनालाप्रिल- एक्सपायरी दवा ईजी पील- गर्भिनिरोधक दवा एक्सपायरी सेट्रेजीन सिरप जैसे एक दर्जन दवा इस मामले में हमर अस्पताल गुडियारी के प्रभारी अधीक्षक डॉक्टर प्रेम रात्रे ने कहा, हमारे यहां से 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवा जाती है। एक्सपायरी दवाओं को यहीं वापस लाया जाता है। जो एक्सपायरी दवा है उन्हें एक्सपायरी कार्डर में अलग से रखा गया है।

अव्यवस्था का शिकार होता बरमकेला का एकमात्र लाइब्रेरी केंद्र, सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ती युवाओं की उम्मीदें, जिम्मेदारों की अनदेखी से बिगड़ती जा रही स्थिति

बरमकेला/मूक पत्रिका

कहते हैं कि किसी भी समाज और क्षेत्र का भविष्य वहां के युवाओं की शिक्षा और जागरूकता पर निर्भर करता है। यही कारण है कि पुस्तकालयों और अध्ययन केंद्रों को किसी भी विकसित समाज की आधारशिला माना जाता है। ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए लाइब्रेरी केवल किताबों का केंद्र नहीं होती, बल्कि वह उनके सपनों, संचर्षों और भविष्य को आकार देने का स्थान बन जाती है। बरमकेला क्षेत्र में भी ऐसा ही एक केंद्र वर्षों से युवाओं के सपनों को दिशा देने का कार्य करता रहा है। पूर्व रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया ‘सीएम यूथ सेंटर’ अर्थात मुख्यमंत्री युवा केंद्र कभी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी सुविधा माना जाता था। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यह स्थान किसी वरदान से कम नहीं था। लेकिन समय के साथ प्रशासनिक



उपेक्षा और अव्यवस्था ने इस लाइब्रेरी की हालत बद से बदतर कर दी है। नाए जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ के गठन के बाद जिस प्रकार से इसकी देखरेख कम होती गई, उसी प्रकार यहां की व्यवस्थाएं भी धीरे-धीरे समाप्त होती चली गईं। आज स्थिति यह है कि कभी युवाओं की भीड़ से भरा रहने वाला यह लाइब्रेरी केंद्र अब मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करता नजर आ रहा है।

वर्तमान स्थिति बेहद चिंताजनक- वर्तमान समय में लाइब्रेरी की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। यहां नियमित देखरेख के लिए कोई कर्मचारी नियुक्त नहीं है। साफ-सफाई की व्यवस्था लगभग समाप्त हो

चुकी है, जिसके कारण परिसर में गंदगी का माहौल देखने को मिलता है।सबसे गंभीर समस्या पेयजल और प्रसाधन की है। लाइब्रेरी में प्रसाधन कक्ष तो मौजूद है, लेकिन वहां पानी की व्यवस्था नहीं है। परिसर में कुलर रखा गया है, परंतु उसमें पानी भरने की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण वह केवल शोपीस बनकर रह गया। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को पास के तालाब से पानी लाकर कुलर भरना पड़ता है। भौषण गर्मी में पढ़ाई करने आने वाले विद्यार्थियों को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और

अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पुस्तकों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। पहले जहां नई-नई प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती थीं, वहीं अब लंबे समय से नई पुस्तकें नहीं पहुंची हैं। कई पुस्तकें पुरानी हो चुकी हैं और कुछ का कोई रिकॉर्ड तक नहीं है। धीरे-धीरे यहां आने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी कम होती जा रही है। विशेष रूप से छात्राओं की उपस्थिति लगभग समाप्त हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले यहां बड़ी संख्या में छात्राएं अध्ययन करने आती थीं, लेकिन प्रसाधन और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं की कमी के कारण अब उनका आना बंद हो गया है। यह स्थिति केवल एक लाइब्रेरी की दुर्दशा नहीं दर्शाती, बल्कि यह बताती है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य को किस प्रकार नजरअंदाज किया जा रहा है।

कभी सुविधाओं से भरपूर था यह केंद्र-स्थानीय विद्यार्थियों और पुराने अभ्यर्थियों के अनुसार कुछ वर्ष पहले तक इस लाइब्रेरी की व्यवस्था काफी बेहतर थी।

यहां विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का अच्छा वातावरण उपलब्ध था। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विभिन्न विषयों की पुस्तकें, समाचार पत्र और अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहती थी। लाइब्रेरी की देखरेख हेतु अधिकारी नियुक्त थे तथा साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था के लिए अलग से कर्मचारी कार्यरत था। परिसर में कंप्यूटर और फैंटो कॉपी मशीन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध थीं, जिससे विद्यार्थियों को काफी मदद मिलती थी। समय-समय पर अधिकारियों का दौरा भी होता रहता था, जिसके कारण व्यवस्थाओं में सुधार बना रहता था। यही वजह थी कि बरमकेला ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ाई करने आते थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। लंबे समय से यहां किसी वरिष्ठ अधिकारी का दौरा नहीं हुआ है। आश्चर्य की बात यह है कि यह लाइब्रेरी जनपद पंचायत कार्यालय से लगभग 200 मीटर तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है,

इसके बावजूद इसकी बदहाल स्थिति पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा।

गरीब और मेहनती युवाओं के सपनों का सहारा रही है लाइब्रेरी- बरमकेला का यह लाइब्रेरी केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के गरीब और मेहनती युवाओं के सपनों का आधार रहा है। यहां बरमकेला के अलावा आसपास के विभिन्न गांवों से भी छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने आते रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकांश विद्यार्थी आर्थिक रूप से इतने सक्षम नहीं होते कि वे बड़े शहरों में जाकर महंगी लाइब्रेरी या कोचिंग संस्थानों की फीस भर सकें। ऐसे में यह लाइब्रेरी उनके लिए सबसे बड़ा सहारा बनकर उभरी। सीमित संसाधनों के बावजूद यहां पढ़ाई कर अनेक युवाओं ने अपने मेहनत और संघर्ष के दम पर सफलता हासिल की है। यही कारण है कि यह लाइब्रेरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का केंद्र मानी जाती रही है।

सफलता की कई कहानियां जुड़ी हैं इस लाइब्रेरी से-इस लाइब्रेरी में अध्ययन

कर कई विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शिक्षक भर्ती परीक्षा में ऋषि नायक, सारिका नायक, प्रिया साहू और अशोक पटेल जैसे युवाओं ने सफलता प्राप्त की। वहीं गोपी सिदार का चयन जल संसाधन विभाग में हुआ। इसके अलावा कई युवा अनिवार सहित अन्य विभिन्न विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में लाइब्रेरी में अध्ययन कर रहे प्रताप रात्रे लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं, जो क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का विषय है।

इसी प्रकार नीलेश सारथी और उनके कुछ साथियों ने यहां अध्ययन कर प्री डीएलएड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करते हुए शासकीय संस्थानों में स्थान हासिल किया। इन सफलताओं से स्पष्ट है कि यदि इस लाइब्रेरी को फिर से व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाया जाए, तो यह आने वाले समय में क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं के भविष्य को नई दिशा दे सकती है।

लो वोल्टेज से मिली मुक्ति, बिलड़ेगी में जला विकास का नया उजियारा

बिलगेड़ी /मूक पत्रिका

सालिक साय की पहल पर ग्राम पंचायत बिलड़ेगी में नया ट्रांसफार्मर लगने से ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही लो वोल्टेज और बिजली संकट की समस्या से राहत मिल गई है।

गांव में पर्याप्त विद्युत व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को रोजमर्रा के कार्यों के साथ खेती-किसानी और बच्चों की पढ़ाई में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीण लगातार नए छात्र-छात्राओं की मांग कर रहे थे। समस्या की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय ने पहल करते हुए संबंधित विभाग से समन्वय कर नया ट्रांसफार्मर लगवाया। ट्रांसफार्मर



स्थापित होते ही गांव में बिजली व्यवस्था सुचारु हो गई और घर-घर उजियारा लौट आया। नए ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। लोगों ने कहा कि अब न केवल घरेलू उपकरण बेहतर ढंग से चल सकेंगे, बल्कि किसानों को सिंचाई कार्य और विद्यार्थियों को पढ़ाई में भी सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों

ने जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने गांव की वर्षों पुरानी समस्या का त्वरित समाधान कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने विष्णु देव साय का भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सरकार लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

सुशासन तिहार 2026 : बेमेतरा शहर में लगाए जाएंगे विशेष समाधान शिविर

नागरिकों की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण, जन कल्याणकारी योजनाओं की दी जाएगी जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन के निर्देशानुसार ‘सुशासन तिहार 2026+’ के अंतर्गत 01 मई 2026 से 10 जून 2026 तक विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बेमेतरा शहरी क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।प्राप्त जानकारी के अनुसार वाई क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिकों के लिए 13 मई 2026 को बेसिक ग्राउंड गांधी भवन, वाई क्रमांक 04 बेमेतरा में शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं वाई क्रमांक 08 से 14 तक के लिए 20 मई 2026 को कबीर कुटी

सांस्कृतिक मंच सिंचेरी बेमेतरा में शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार वाई क्रमांक 15 से 21 तक के लिए 28 मई 2026 को भद्रकाली मंदिर परिसर बेमेतरा में विशेष शिविर आयोजित होगा। सभी शिविरों का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित इन शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही प्लेक्स, बैनर एवं प्रचार-प्रसार सामग्री का मध्यम से आम नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। शिविरों में पात्र एवं जरूरतमंद हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने की भी व्यवस्था रहेगी। शिविर से संबंधित अधिक जानकारी हेतु श्री डी.आर. साहू, सहायक अभियंता, नगर पालिका परिषद बेमेतरा (मो. 9893727069) तथा श्री भोलाराम पटेल, उप अभियंता, नगर पालिका परिषद बेमेतरा (मो. 9669312076) से संपर्क किया जा सकता है।

11 केवी करंट से युवक की मौत मामले में बड़ा खुलासा, जंगली सूअर के शिकार के लिए बिछाया था करंट, 3 आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया थाना क्षेत्र में 11 केवी बिजली करंट की चपेट में आने से हुई युवक की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि जंगली सूअर का शिकार करने के लिए तालाब के आसपास जीआई तार में हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित किया गया था, जिसकी चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मामले में सरिया पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 19 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे की है। ग्राम मारोदरहा निवासी राजू बरिहा अपने मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें डॉक्टरों ने मौत का कारण



गया था। इसी दौरान राजू बरिहा दिशा मैदान के लिए तालाब के अंदर चला गया। जांच में पता चला कि आरोपी रामप्रसाद यादव निवासी करीगाड़ी, अंगद बरिहा निवासी लंकापाली, रविंद्र बरिहा निवासी लंकापाली और उनके एक अन्य साथी ने जंगली सूअर मारने के उद्देश्य से तालाब के आसपास छड़ बांधने वाली जीआई तार बिछाकर उसे 11 केवी बिजली लाइन से जोड़ दिया था। तालाब के अंदर जाते ही राजू बरिहा करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें डॉक्टरों ने मौत का कारण

बिजली के झटके और उससे हुई गंभीर शारीरिक जटिलताओं को बताया। मामले में मार्ग जांच के बाद सरिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 105, 3(5) बीएनएस और विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस जांच में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी का माहौल है। ग्रामीणों ने भी इस तरह खुले में बिजली करंट छोड़कर शिकार करने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व संसदीय सचिव चंद्रदेव राय बोले – 'बोरे-बासी हमारी संस्कृति और श्रमशील जीवन की पहचान'

मीरौनी बैराज में धूमधाम से मनाया गया बोरे-बासी दिवस

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक बोरे-बासी दिवस का आयोजन सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के मीरौनी बैराज में उत्साह, भाईचारे और पारंपरिक माहौल के बीच धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव चंद्रदेव राय अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों के साथ शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान सभी ने सामूहिक रूप से बोरे-बासी का सेवन कर छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति, लोक जीवन और श्रमिक परंपरा को सम्मान दिया। आयोजन स्थल पर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी



संस्कृति की झलक देखने को मिली, जहां लोगों में विशेष उत्साह नजर आया।पूर्व संसदीय सचिव चंद्रदेव राय ने कहा कि बोरे-बासी छत्तीसगढ़ की पहचान है, जो प्रदेश की सादगी, मेहनत और लोक संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति, परंपराओं और लोक विरासत को संहेजकर आगे बढ़ाने की अपील की।उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में अपनी जड़ों और सांस्कृतिक मूल्यों को

बचाए रखना बेहद आवश्यक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। चन्द्रदेव राय ने कहा,छत्तीसगढ़ को 'छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़िया' संस्कृति का सम्मान किया है। बोरे-बासी दिवस के आयोजन ने यह एहसास कराया कि प्रदेश की जनता आज भी अपनी मिट्टी, संस्कृति और मेहनतकश समाज के सम्मान के साथ खड़ी है।

बुद्ध जयंती समारोह सरिया में श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक समरसता के साथ सम्पन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत सरिया में भगवान बुद्ध की 2588वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाई गई। यह भव्य आयोजन प्रज्ञा पारमिता फाउंडेशन एवं कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बरमकेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, अभिभावकगण, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं नगरवासी शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान बुद्ध वंदना, शांति एवं सामाजिक समरसता का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य शांति यात्रा के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता निभाई। शांति यात्रा के दौरान भगवान बुद्ध के उपदेशों एवं मानव कल्याण के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन किया



कार्यक्रम में धर्मदेशना का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें पूज्य भते मेलानंद थेरो ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनके त्याग, करुणा, अहिंसा एवं मानवता के संदेश पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भगवान बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। समाज में बढ़ती हिंसा, वैमनस्य एवं तनाव को समाप्त करने के लिए बुद्ध के शांति और सद्भावना

के मार्ग को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नैतिक मूल्यों को अपनकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महादेव कांवर, रायपुर संभाग आयुक्त उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बुद्ध ने पूरी दुनिया को शांति, प्रेम एवं समानता का संदेश दिया। उनके विचार मानव जीवन को सकारात्मक

दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिलीप वासनिक ने कहा कि भगवान बुद्ध के सिद्धांत आज भी मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने शिक्षा, अनुशासन एवं नैतिकता को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। वहीं बुद्धीय सुखदेवे ने

बुद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए समाज में आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में कमलेश अग्रवाल ने कहा कि नगर पंचायत सरिया में इस प्रकार के सामाजिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं डॉ. गोविंद चौहान ने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन मानवता की सेवा एवं त्याग का सर्वोच्च उदाहरण है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन बरमकेला की ओर से ब्लॉक संयोजक नंदकिशोर पटेल, सह संयोजक भुवन चौहान, विजय भारती, नरेश प्रधान, युगेंद्र प्रसाद साहू, ध्रुव कुमार यादव, विजय राणा, निरंजन चौधरी एवं ठाकुर राम चौहान सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशिष्ट अतिथियों में नरेश चौहान (सेजेस बरमकेला), अमिंतेश केसरवाणी, पुनित राम चौहान, उजागर नंद, रामाधार चौहान, श्रीमती लता लक्ष्मी (छष्ट्र), बी.डी. भारद्वाज, मोती स्वर्णकार, जुगल किशोर,

बसंत चौहान, राजीव चौहान, विनोद चौहान एवं राजेंद्र चौहान की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इसके अलावा अभिभावकों में आलोक प्रधान, गायत्री पटेल, शोभा रात्रे, बासुदेव मिरी, कृष्णलाल विश्वकर्मा, किशोर नंद, गोवर्धन चौहान, संतोष साहू एवं संजय चौहान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान बुद्ध वंदना, सामाजिक समरसता एवं मानव कल्याण को लेकर विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था तथा पूरे वातावरण में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में सहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी लोगों ने सहभागिता निभाई। आयोजक समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी अतिथियों, नागरिकों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। बुद्ध जयंती समारोह ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि समाज में शांति, एकता एवं भाईचारे का संदेश भी दिया।

संपादकीय

यह सिर्फ़ दो साल पुरानी कहानी है, जिसमें दक्षिण भारत के एक और कलाकार ने अपनी लोकप्रियता भुनाते हुए तमिलनाडु की सत्ता के दरवाजे पर दस्तक दे दी है. चंद्रशेखरन जोसेफ़ विजय यानी थलापति विजय, जिनके बारे में एग्जिट पोल तक सही भविष्यवाणी नहीं कर सके और उन्होंने तमिल जनता का राजनीतिक ‘हीरो’ बनने में भी सफलता पा ली. माना यह जाता है कि उनके मन में राजनीति के प्रति उस समय से रुझान था, जब उन्होंने एक ‘फैन क्लब’ बनाया था और बाद

में स्थानीय निकायों का चुनाव लड़ा था. यही नहीं, एआईएंडीएमके को चुनाव में सहायता भी की थी. किंतु स्वतंत्र दल बनाकर दो साल की तैयारी में 108 सीटें जीतना कोई मामूली बात नहीं है. वह भी तब जब राज्य की सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ कोई वातावरण नहीं बना और उसकी वापसी तय मानी जा रही हो. अब सवाल यही है कि यदि उत्तर से दक्षिण के अनेक राज्यों में कोई एक करिश्माई नेता अपनी ताकत से सत्ता बदल देता है तो महाराष्ट्र में कोई शक्तिमान क्यों नहीं तैयार हो

पाया. 66 साल के इतिहास में एक दर्जन नेता उभरे और सामने आए, लेकिन सत्ता समझौते से ही मिली. ग्लैमर की दुनिया में सितारे सबसे अधिक महाराष्ट्र में ही थे, किंतु उन्होंने प्रचार से अधिक कभी कोई सामाजिक अथवा राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं निभाई. महाराष्ट्र, जहां बॉलीवुड से लेकर क्रिकेट की दुनिया का मुख्यालय ‘बीसीसीआई’ तक है. राज्य में भारत रत्नों की संख्या सबसे अधिक है. इस परिक्षेत्र में सबसे ज्यादा सामाजिक जागरुकता के आंदोलन हुए और स्वतंत्रता संग्राम के

प्रमुख केंद्रों में से एक यही राज्य था. फिर भी राजनीति के स्तर पर कोई करिश्माई नेता इतना बड़ा कद नहीं बना सका, जिसके नाम पर सत्ता का शिखर पाया जा सका हो. दक्षिण में अनेक अभिनेता और अभिनेत्रियां, उत्तर में सामाजिक आंदोलनों से जुड़े नेता सत्ता को पाने में सफल हुए हैं. यह बात और है कि उन्हें अधिक अवसर नहीं मिले, किंतु एक मौका तो हर एक को मिला. महाराष्ट्र के गठन के बाद कांग्रेस का बोलबाला रहा, लेकिन जब अवसर आया तो समझौतावादी राजनीति को

अपनाया गया. राज्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) के नेता शरद पवार, शेतकरी कामगार पक्ष के नेता शरद जोशी, समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडीस, मधु लिमये, शिवसेना के बालासाहब ठाकरे, वर्तमान में वंचित बहुजन मोर्चे के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे जैसे अनेक नेताओं ने अपने उदय के साथ अपना एक समय बनाया, जिसमें उनका प्रभाव और लोकप्रियता चमक पर थी. किंतु उससे उन्हें सत्ता की सीढ़ी नहीं मिली. कहीं गठबंधन और

समझौता करना ही एक मजबूरी के रूप में सामने आया. दक्षिण की तरह ही महाराष्ट्र कला और खेल दोनों में अग्रणी स्थान पर रहा. राज्य में हिंदी के साथ मराठी फिल्मों का प्रभाव रहा. उनके कलाकारों की सामाजिक चेतना हमेशा ही प्रबल रही. राजनीतिक परिवर्तन के रूप में नहीं हुआ. वह प्रचार और समर्थन के लिए उपयोग में लाए जाते रहे, लेकिन जनप्रतिनिधि बनने का न किसी कलाकार में साहस दिखा और न ही उन्हें आजमाने की किसी राजनीतिक दल ने कोशिश की.

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में ‘बंगाली अस्मिता’ और ‘हिंदू पहचान’ के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। ‘वंदे मातरम्’ का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि ‘सांस्कृतिक सुरक्षा’ स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान ‘जय श्रीराम’ जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल ‘हिंदी बनाम बंगाली’ के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वास्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा से जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा ।यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था ।वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग–संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है ।किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है ।यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है ।मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है ।यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के ‘ सांस्कृतिक पुनर्जागरण’ के रूप में देख रहे हैं ।

धीरे राजनीतिक हशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में



स्थापित किया। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को ‘हिंदू पुनर्जागरण’ कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरुकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरुकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे।

सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से ‘अपवाद’ नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं- सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूँढ़ लिया



जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फंार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान ‘परिवर्तन’ की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फेंड की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच बरोबरसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।

बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी। अप्रैल 2024 में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक भर्ती के तहत 25 हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों, रूफ-सी और रूफ-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया। इन नियुक्तियों को भर्ती प्रक्रिया के शुरुआती दौर से ही अवैध पाया गया था। इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाया गया और देश की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में इसे बरकरार रखा।

बंगाल के युवाओं को जीवन में एक मजबूत आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई स्कूली भर्ती की पूरी प्रक्रिया एक ऐसे अड्डे में तब्दील हो गई, जहां पदों को बेचा जा रहा था और वैध उम्मीदवार को भर्ती की कतार दिखाई ही नहीं दे रही थी। राशन घोटाला तो इस घोटाले से भी ऊपर था। इसमें एक और मौजूदा कैबिनेट मंत्री ज्योतिषिया मल्लिक फंस गईं। इसके ऊपर मवेसी घोटाला, रिश्ततखोरी का धंधा और सिंडिकेट का राज था। मतदाता इन सभी गठजोड़ों को समझ गया। माफिया द्वारा संचालित राज्य में रिश्तत देने से इनकार करने वाला नागरिक सबसे पहले पीड़ित होता है।

इस रिकॉर्ड के सामने एक अलग ही तरह का रिकॉर्ड था। पिछले एक दशक में

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ इक्कीस लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ। जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ नल-जल के कनेक्शन लगाए गए। जबकि, 2019 में यह आंकड़ा तीन करोड़ का था। आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग पचपन करोड़ लाभाधिक्यों को पांच लाख रुपये का वार्षिक कवरेज मिला। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बंगाल के हर कल्याणकारी कार्यक्रम में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। ये सभी काल्पनिक बातें नहीं हैं। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने इन्हीं बातों को आधार बनाकर वोट मांगा।

उस आधार के पीछे एक नेटवर्क खड़ा था। पार्टी के बूथ के स्तर के कार्यकर्ताओं, पत्रा प्रमुखों, और चुनावी चर्चों के दौरान धमकियों, डरा-धमकाने और शारीरिक हिंसा का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में मतदाताओं के पंजीकरण, परिवहन और मतदान कराने के उन गैर-आकर्षक कामों को पूरा किया जिन्हें अन्य पार्टियों ने छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ धमकियों, केन्द्रीय बलों के लौट जाने के बाद होने वाले हाल से जुड़ी घोषणाएं और चुनाव के बाद की हिंसा के पिछले दौरो में गईं जानें, ये सब कार्यकर्ताओं के लिए एहदाईं बातें नहीं थीं। ये इन सब अनुभवों से जुड़ा चुके थे। माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह खुद बंगाल के विभिन्न जिलों में घूम-घूम कर देख रहे थे। कभी-कभी तो कुछ

ही हप्तों के भीतर पुराने कस्बे में दुबारा आते थे, क्योंकि वे जानते थे कि उनके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे थे, वह महज चुनावी उलटफेर भर नहीं था। यह एक गढ़ को ढखने जैसा था।

इस अभूतपूर्व जीत का सिरमौर बने चेहरे खुद अपनी कहानी बयान करते हैं। आर.जी. कर हत्याकांड के पीड़िता की मां श्रीमती रत्ना देवनाथ, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया था, ने 15 साल से चले आ रहे तृणमूल के गढ़ को ध्वस्त करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। ??श्रीमती रेखा पात्रा, जिन्होंने संदेशखाली में अपनी ही धरती पर राज्य द्वारा ठुकराए गए अधिकार की मांग रखी और उसी मांग को लेकर हिंगलगंज में चुनाव लड़ा। कुल 30 वर्षों तक वामपंथ और 15 वर्षों से तृणमूल के गढ़ रहे जिलों के मतदाताओं ने पहली बार कमल के निशान को चुना। रविवार, 4 मई 2026 को बंगाल ने हिसाब चुकता कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने 293 सीटों में से 206 सीटें जीतीं। दो अलग-अलग दलों के 49 वर्षों के माफिया शासन का अंत हो गया। यह केवल एक चुनावी जनादेश भर नहीं, बल्कि एक नैतिक जनादेश भी था।

जनता के इस निर्णायक फैसले पर पहले से ही सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत, 90 लाख अग्रात्र नाम हटा दिए गए।

लखनऊ प्लेऑफ की रेस से बाहर:चेन्नई ने 5 विकेट से हराया

उर्विल पटेल ने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाई; ओवर्टन को 3 विकेट

लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल में प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार के पहले मैच में 5 विकेट से हराया। इस हार के बाद ऋषभ पंत की टीम बचे हुए मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकती है, जो प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। चेपांक स्टेडियम में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन बनाए। चेन्नई ने 204 रन का टारगेट 19.2 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। आखिरी ओवर में शिवम दुबे ने ऐडन मार्करम की बॉल पर लगातार दो छक्के मार्कर टीम को जीत दिला दी। मैच का स्कोरबोर्ड

उर्विल ने सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी की

उर्विल पटेल ने 33 बॉल पर 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाई। उर्विल ने आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। राजस्थान के यशस्वी जायसवाल 2023 में 13 बॉल पर फिफ्टी लगा चुके हैं।

2019 के बाद पहली बार सीएसके ने 180+ रनों का लक्ष्य हासिल किया, प्लेऑफ की दौड़ से लखनऊ लगभग बाहरसीएसके ने आईपीएल 2026 में जीत की हैट्रिक लगाते हुए लखनऊ को एकतरफा अंदाज में हराया। इस हार से जहां लखनऊ का सफर लगभग समाप्त हो गया वहीं, सीएसके ने प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखी हैं।

उर्विल की विस्फोटक बल्लेबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए संजु सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके को अच्छी शुरुआत दिलाई। सैमसन ने शुरुआत से ही हाथ खोले और कुछ अच्छे शॉट्स लगाए, लेकिन दिवेश ने उन्हें बोल्ट कर सीएसके को पहला झटका दिया। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने विस्फोटक बल्लेबाजी की और रिकॉर्ड बना लिया। उर्विल ने महज 13 गेंदों पर पचासा पूरा किया और आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक लगाया। उर्विल ने इसके साथ ही यशस्वी जायसवाल की बराबरी कर ली

है जिन्होंने 13 गेंदों पर ही आईपीएल में अर्धशतक लगाया था। हालांकि, शाहबाज अहमद ने उनकी पारी का अंत किया। उर्विल ने 23 गेंदों पर दो चौकों और आठ छक्कों की मदद से 65 रन बनाए।

सीएसके की पारी लड़खड़ाई उर्विल के आउट होने के बाद सीएसके की पारी लड़खड़ा गई। लखनऊ हालांकि, वापसी करने में तो सफल हुई, लेकिन मौके को नहीं भुना सकी। लखनऊ की हार का एक बड़ा कारण खराब फील्डिंग रही क्योंकि टीम ने तीन कैच छोड़े। दिवेश राठी ने दो कैच छोड़े, जबकि निकोलस पूरन ने एक कैच छोड़ा। दिवेश और पूरन ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे प्रशांत वीर को दो बार उस समय जीवनदान दिया, जब मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया था। इसका खामियाजा टीम को उठाना पड़ा। सीएसके के लिए ऋतुराज ने 42, कार्तिक शर्मा ने 20 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 10 रन बनाए। वहीं, प्रशांत 12 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 और शिवम दुबे सात गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 15 रन बनाकर नाबाद लौटे।



उर्विल पटेल की धुआंधार बल्लेबाजी से

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने लखनऊ सुपर जांट्स को पांच विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। 2019 के बाद यह पहली बार है जब सीएसके ने 180+ रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

तालिका में पाचवें स्थान पर पहुंची सीएसके

सीएसके इस जीत के साथ ही अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। सीएसके के 11 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ 12 अंक हैं। सीएसके ने बेहतर नेट रन रेट के कारण राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान के भी इतने ही अंक हैं। वहीं, लखनऊ प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। लखनऊ 11 मैचों में तीन जीत और आठ हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर मौजूद है।

ब्रीफ न्यूज़

तीरंदाजी विश्व कप में भारत ने चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता



नईदिल्ली। शंघाई में तीरंदाजी वि्व कप- चरण 2 के रोमांचक फाइनल में भारतीय महिला रिकर्व टीम ने मेजबान चीन को पांच-चार से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया है। रिकर्व टीम में दीपिका कुमारी, अकिता भगत और कुमकुम मोहोद शामिल थीं। इससे पहले सेमीफाइनल में भारत ने दस बार के ओलम्पिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराया था।

ताशकंद में एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में नौ भारतीय महिला मुक्केबाज फाइनल में

नईदिल्ली। तашकंद में एशियाई अंडर-15 और अंडर -17 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की नौ महिला मुक्केबाज फाइनल में पहुंच गई हैं। अंडर- 15 में भारत की अक्षिता ने 30 से 33 किलोग्राम वर्ग में, कजाकिस्तान की अयाजान मरात पर एकतरफा जीत दर्ज की। अंजी ने 37 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की सरविनोज रिस्कुलोवा को 5-0 से हराया। सोनिया ने 40 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की डायना मेंडिगारेयेवा को 5-0 से शिकस्?त दी। तन्वी ने ??43 किलोग्राम वर्ग में, कजाकिस्तान की सेज़िम नूरलुबेक को एकतरफा मुकाबले में मात दी। हंशिका अत्री ने 46 किलोग्राम वर्ग में कोरिया की युहुई चेओन को हराया। सुनैना ने 58 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की अर्दक अब्दिरखान को हराया। भूमिका ने 61 किलोग्राम वर्ग में, चीनी ताइपे की चियाओ-यिंग चांग को शिकस्त दी। तन्वी ने 64 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की यास्मीन जौतखानोवा को 4-1 से हराया।



ब्रिटेन के मैनचेस्टर में डब्ल्यू बीओ विश्व हैवीवेट खिताब मुकाबले में एक दूसरे पर प्रहार करते हुए मुक्केबाज फैबियो और डेनियल।

आरसीबी ने मुंबई को दो विकेट से हराया



रायपुर मुंबई इंडियंस आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। उसे रविवार के दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया। इस हार के बाद मुंबई की टीम अगले 3 मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकेगी, जोकि प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर चेज किया। टीम ने 8 विकेट गंवा दिए थे।

बेंगलुरु की ओर से कृणाल पंड्या ने 46 बॉल पर 73 रन की पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट झटकें।

तिलक की फिफ्टी, भुवनेश्वर को 4 विकेट

मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 बॉल पर 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा नमन धीरे ने 47 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट लिए। कृणाल पांड्या का शानदार अर्धशतक

आरसीबी को सातवां झटका

आरसीबी को सातवां झटका गजनफर ने दिया। उन्होंने कृणाल पांड्या को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। वह 46 गेंदों में 73 रन बनाकर आउट हुए। अब रोमारियो शेफर्ड का साथ देने रसिख सलाम डार आए हैं।

: जितेश और टिम डेविड आउट हुए

जितेश शर्मा (18) और टिम डेविड (0) आउट हो गए। अब कृणाल पांड्या और रोमारियो शेफर्ड क्रीज पर मौजूद हैं।

कृणाल पांड्या का अर्धशतक

कृणाल पांड्या ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। जितेश शर्मा भी उनका साथ देने के लिए क्रीज पर मौजूद हैं। 15 ओवर के बाद स्कोर चार विकेट पर 124 रन है।

आरसीबी को चौथा झटका

आरसीबी को चौथा झटका कॉर्बिन बॉश ने दिया। उन्होंने तिलक वर्मा के हाथों जैकब बेथेल को कैच कराया। वह 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब कृणाल पांड्या का साथ देने जितेश शर्मा आए हैं।

नौ ओवर का खेल पूरा

नौ ओवर का खेल पूरा हो चुका है और आरसीबी ने तीन विकेट पर 65 रन बना लिए हैं। जैकब बेथेल 20 और कृणाल पांड्या 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

: पडिक्कल और पाटीदार आउट हुए

39 के स्कोर तक आरसीबी ने तीन विकेट गंवा दिए हैं। देवदत्त पडिक्कल 12 और रजत पाटीदार आठ रन बनाकर आउट हो गए। अब जैकब बेथेल और कृणाल पांड्या क्रीज पर हैं।



हालिया ग्रैंडमास्टर्स के माता-पिता को बेचने पड़े गहने

चेस कोई सस्ता खेल नहीं:एक ग्रैंडमास्टर बनने में खर्च होते हैं 50 से 70 लाख रुपए

कोलकाता। अक्सर लोगों को लगता है कि शतरंज एक सस्ता खेल है, क्योंकि इसमें अन्य खेलों की तरह महंगे उपकरण, बड़े स्टेडियम या स्पोर्ट्स साइंस टीम की जरूरत नहीं होती। लेकिन भारत के नए शतरंज ग्रैंडमास्टर्स की सफलता की सच्चाई ने इस मिथक को पूरी तरह तोड़ दिया है। असलियत यह है कि आज एक बच्चे को ग्रैंडमास्टर (जीएम) बनाने में 50 से 70 लाख रुपए का भारी खर्च आता है।

हाल ही में भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर बने आरोन्यक घोष और 94वें ग्रैंडमास्टर मयंक चक्रवर्ती के परिवारों का संघर्ष इसका जीता-जागता प्रमाण है। आरोन्यक के पिता मृणाल घोष बताते हैं कि उन्होंने अपने बेटे के ऊपर पिछले 15 सालों में लगभग

46 लाख रुपए खर्च किए। उनका मानना ​​है कि भारत में जीएम बनने के लिए यह शायद सबसे कम राशि है। बैंकॉक चेस क्लब ओपन में तीसरा और अंतिम जीएम नॉर्म हासिल करने वाले आरोन्यक के लिए पिता को पुरतैनी जमीन और मां संचिता को शादी के गहने बेचने पड़े। इनामी राशि की पाई-पाई खेल में वापस लगा दी गई। वहीं, पूर्वोत्तर भारत के इकलौते जीएम मयंक की मां मोनोमिता चक्रवर्ती कहती हैं कि शुरुआत से जीएम बनने तक माता-पिता को 70 लाख रुपए तैयार रखने चाहिए।

यह सिर्फ जीएम बनने तक का खर्च है। 12 वर्षीय फीडे मास्टर (जीएम से दो कदम पीछे) आरव सरबलिया के पिता यशिन का



अनुमान है कि केवल 2025 में उन्होंने आरव पर 25-30 लाख रुपए खर्च किए। वे टूर्नामेंट के लिए 4 महीने तक विदेश में रहे। स्पॉन्सरशिप न मिलने पर उन्होंने कमाई के लिए सोशल मीडिया पर कंटेंट बनाना शुरू कर दिया।

चेस में सबसे बड़ा खर्च कोचिंग है। ग्रैंडमास्टर कोच की फीस 10,000 से 20,000 रुपए

प्रति घंटा होती है और एक से ज्यादा कोच रखने पड़ते हैं। नॉर्म्स के लिए साल में 6-8 यूरोप दौरों का खर्च 15-20 लाख रुपए आता है। प्रैक्टिस के लिए ट्रेनिंग पार्टनर और ‘सेकेंड्स’ (जो मैच की तैयारी कराते हैं) को घंटे के हिसाब से भारी फीस देनी पड़ती है। कई बार ये कोच इनामी राशि में भी हिस्सा मांगते हैं।

मृणाल घोष कहते हैं कि 2500 रेटिंग पार कर जीएम बनने पर आयोजक रुकने व फ्लाइट का खर्च उठाते हैं, लेकिन मेरा बेटा 2550 रेटिंग पर है। इसे 2650 तक ले जाने में इतना पैसा लगेगा कि मैं सपने देखने से भी डरता हूं। **स्पॉन्सरशिप मुश्किल, शेयरिंग अपार्टमेंट्स में रहते हैं** चेस के खेल में स्पॉन्सर मिलना मुश्किल है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रोत्साहन राशि भी बंद हो गई है। ऐसे में गुवाहाटी से आने वाले मयंक को विदेशी दौर पर कनेक्टिंग फ्लाइट का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। खर्च बनाने के लिए परिवार यूरोप में सस्ते शेयरिंग अपार्टमेंट में रुकते हैं और घर का खाना ले जाते हैं।

भानपुरी करंदौला में अंतिम संस्कार को लेकर ग्रामीणों ने किया विवाद, ने करकापाल कब्रिस्तान मे भेजा शव

विहिप-बजरंग दल ने कहा : पेसा कानून व सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का हो पालन

जगदलपुर /भानपुरी/मूक पत्रिका

जिला बस्तर मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर ग्राम पंचायत भानपुरी करंदौला में शनिवार को एक महिला 83 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका रुक्मणी कुरे के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। ग्रामीणों के बताने अनुसार, रुक्मणी कुरे धर्मांतरण के बाद ईसाई धर्म रीति रिवाज का पालन करती थीं समुदाय के कुछ लोगों द्वारा वन विभाग की फेंसिंग युक्त भूमि पर तार-पोल हटकर दफन करने की तैयारी की जा रही थी।सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उक्त स्थल पर शव को दफना का विरोध किया। ग्रामीणों का कहना था कि बिना ग्राम सभा की सहमति के किसी भी भूमि पर दफन करना नियमों के विरुद्ध है। घटना की



जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया। बाद में प्रशासन द्वारा शव को अंतिम संस्कार के लिए जगदलपुर स्थित करकापाल कब्रिस्तान भेजा गया।बजरंग दल विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप ने कहा, -बस्तर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र है, यहां पेसा

कानून लागू है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार शासन द्वारा आर्बाइटेड कब्रिस्तान भूमि पर ही दफन किया जाना चाहिए। ग्राम की परंपराओं और सामाजिक समरसता का सम्मान सभी को करना चाहिए।- उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। विहिप जिला सह मंत्री घनश्याम नाग



और सौहार्द बना रहे। इस दौरान बजरंग दल मध्य बस्तर विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप, विहिप विभाग सेवा प्रमुख अनिल अग्रवाल, जिला सह मंत्री घनश्याम नाग, सह संयोजक योगेश रैली, रामप्रसाद मौर्व, कमलेश दीवान, प्रखंड उपाध्यक्ष महेन्द्र देवांगन, जिला संयोजिका आस्था गुप्ता, प्रखंड संयोजक छवील ठाकुर, जागेश्वर कश्यप, नगर अध्यक्ष प्रतीक गुरु, पूर्व जिला संयोजक नरेश कोरी सहित संगठन के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कोसीर पुलिस की चेतावनी : नियम तोड़ा तो होगी सख्त कार्रवाई

मिरोनी बैराज में छद्म बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के कोसीर थाना अंतर्गत मिरोनी बैराज क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भीड़ और पूर्व में हुई अप्रिय घटनाओं को देखते हुए कोसीर थाना ने बैराज परिसर में DJ संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करते हुए DJ उपकरण जब्त किए जाएंगे।पुलिस के अनुसार बैराज क्षेत्र में पूर्व में डूबने से मौत, मारपीट, हत्या के प्रयास और अन्य



गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शराब सेवन से दूर रहने, गहरे पानी में प्रवेश न करने तथा बच्चों पर विशेष निगरानी रखने की अपील की है। पुलिस बल द्वारा क्षेत्र में

लगातार पेट्रोलिंग और निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। कोसीर थाना पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सुरक्षा नियमों का पालन कर शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ शहर स्थित केशरवानी धर्मशाला में आयोजित ‘सोमनाथ स्वाभिमान कार्यक्रम’ में भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण का संदेश प्रमुखता से उभरा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने कहा कि हजार वर्षों तक हुए विनाशकारी आक्रमणों और अनेक चुनौतियों के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज भी भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव का अटूट प्रतीक बनकर विश्व के सामने खड़ा है।विरासत के 75वें वर्ष के अवसर पर आयोजित



कार्यक्रम में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के इतिहास को संघर्ष, पुनर्निर्माण और आत्मसम्मान की प्रेरणादायी गाथा बताते हुए कहा कि सोमनाथ समाज ने हर चुनौती के बाद अपनी सांस्कृतिक पहचान को और अधिक मजबूती के साथ स्थापित किया है।मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन देते हुए पाण्डेय ने कहा कि सनातन

संस्कृति और देश की ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भारतीय समाज की अटूट आस्था, अदम्य आत्मबल और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण है, जिसने पूरी दुनिया को भारत की आध्यात्मिक शक्ति और



सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम में पदमिनी भोई साहू, ज्योति पटेल, भुवन लाल मिश्रा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं को उल्लेखनीय भागीदारी ने आयोजन को

और अधिक भव्य एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान किया। पूरे आयोजन के दौरान राष्ट्र गौरव, सांस्कृतिक चेतना और भारतीय विरासत के संरक्षण का संदेश प्रमुखता से गुंजता रहा। अंत में उपस्थित जनसमूह ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों और सनातन मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया।

सुशासन तिहार-2026: विकासखंड नवागढ़ के ग्राम नारायणपुर में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 12 मई को जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत नारायणपुर के शास. हाई स्कूल मैदान में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम नारायणपुर कलस्टर में ग्राम भिलौनी, झुलना, चकवाय, नारायणपुर, अमलडीहा. लोहडिंगिया, दरी, मोहलाईन, घुरसेना, चिचोली, अकोली करमसेन, टेमरी तोहड़ी एवं नवागांव ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है।

समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठ ममगाई ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी चल रहा था अवैध बोर खनन, तहसीलदार ने मौके पर पकड़ी बोरिंग मशीन..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में बिना अनुमति बोर खनन पर प्रतिबंध के बावजूद सरिया तहसील क्षेत्र में निजी जमीन पर अवैध खुदाई का मामला सामने आया है। तहसीलदार ने ग्राम बोंदा में कार्रवाई करते हुए बोरिंग गाड़ी और सहयोगी ट्रक को जब्त कर थाना के सुपुर्द कर दिया है। मामले में जब्ती पंचनामा बनाकर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण एसडीएम कार्यालय भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बोंदा में बिना अनुमति निजी जमीन पर बोर खनन किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और जांच के दौरान खुदाई कार्य जारी मिला। कार्रवाई करते हुए बोरिंग गाड़ी



क्रमांक छब13.॥ 0574 और सहयोगी ट्रक छब13.॥ 6609 को जब्त किया गया।बता दें कि भोषण गर्मी और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए कुछ दिन पहले ही कलेक्टर द्वारा बोर खनन पर प्रतिबंध संबंधी आदेश जारी किया गया था। आदेश में स्पष्ट कहा गया था कि पेयजल या सामाजिक कार््यों के लिए ही अनुमति दी जाएगी और इसके लिए अनुविभागीय अधिकारी की पूर्व

अनुमति लेना जरूरी होगा। इसके बावजूद बिना परमिशन खुदाई होने से प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमों की अनदेखी कर लगातार अवैध बोर खनन किए जाने से भूजल स्तर पर असर पड़ रहा है। फिलहाल प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर दूसरा स्थान, शिक्षा मंत्री ने किया सम्मानित

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर बीजापुर का शानदार प्रदर्शन

बीजापुर/मूक पत्रिका

रायपुर में आयोजित विश्व रेडक्रॉस दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा बीजापुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम गौरवान्वित किया। जिले के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति देते हुए राज्य स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं नाटक एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन कर खूब सराहना बटोरी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेडक्रॉस चेयरमैन तोमन साहू ने की, जबकि वाइस चेयरमैन रूपेश पाणिग्रही एवं कोषाध्यक्ष संजय



पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेशभर से राज्य प्रतिनिधि, जिला रेडक्रॉस अधिकारी, काउंसलर शिक्षक तथा

जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बीजापुर जिले से 30 सदस्यीय दल ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें 15

बालक एवं 15 बालिकाएं शामिल थीं। प्रतिभागियों के साथ काउंसलर आदित्य ठाकुर,यदुनाथ कश्यप, पंचराम कुजूर, सुश्री लक्ष्मी

ठाकुर,एंजेलिना दास एवं शारदा तोड़ेम भी उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों ने मानव सेवा, रक्तदान, आपदा सहायता एवं सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर आधारित नुक्रड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने सेवा, संवेदना और मानवता का संदेश प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए माध्यमिक शाला चिहका के काउंसलर आदित्य ठाकुर एवं सेजेस अग्नेजी माध्यम बीजापुर की लक्ष्मी ठाकुर को शिक्षा मंत्री के हाथों सम्मानित किया गया। एसडीएम जागेश्वर कौशल ने कहा कि रेडक्रॉस सेवा, मानवता और अनुशासन का प्रतीक है तथा बीजापुर के विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है।

कोरेक्स के काले कारोबार पर चांपा पुलिस की कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

चांपा/मूक पत्रिका

जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चांपा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना चांपा क्षेत्र के ग्राम सिवनी में तालाब किनारे अवैध रूप से कोरेक्स सिरप की बिक्री करते एक आरोपी को रोग हाथों गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप, नगदी और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना चांपा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सिवनी मंडल तालाब के पास एक व्यक्ति नशीली कफसिरप की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना की तत्दीक के बाद पुलिस टीम ने दबिश दी।दबिश के दौरान एक व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ काला बैग लिए सदिध अवस्था में



मिला। बेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू दिवाकर (उम्र 35 वर्ष), निवासी बालपुर, थाना चांपा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 25 नग मादक कफसिरप/कोरेक्स सिरप बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5,075 रुपये बताई गई। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त हीरो स्पेंडर मोटरसाइकिल (क्रमांक छब 12 ड्रक 5855) और 950 रुपये नगद भी जब्त किए गए। इस मामले में थाना

चांपा में धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक वैष्णव, उप निरीक्षक सत्यम चौहान, आरक्षक गौरीशंकर राय, ईश्वरी राठौर, विरेश सिंह, श्याम राठौर सहित थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

सोमनाथ मंदिर भारतीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना का अमर प्रतीक : संजय भूषण पाण्डेय

सोमनाथ स्वाभिमान कार्यक्रम में संस्कृति संरक्षण और राष्ट्र गौरव का गुंजा संदेश

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत अकलतरा में 10 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अकलतरा के 'मिनीमाता भवन' में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि समारोह में कुल 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में उपस्थित अतिथियों और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखद और जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखद और वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। उन्होंने बताया कि शासन की योजना के अनुरूप प्रत्येक जोड़े को गुहस्थी स्थापना हेतु वधुओं के बैंक खाते में



निर्धारित राशि प्रदान किया गया। साथ ही नवदम्पतियों को पौधा वितरण कर वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के दौरान विधायक अकलतरा राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से जरूरतमंद परिवारों के सम्मान पूर्वक अपनी बेटियों का विवाह सम्पन्न कराने में सहयोग मिल रहा है। उन्होंने नव विवाहित जोड़े को उपहार प्रदान किया तथा आर्शिवाद

प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने अपने संबोधन में भ्रण हत्या एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुुरीतियों को समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि बेटियां सामाज की शक्ति हैं और उन्हे शिक्षा एवं सम्मान देना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नव दम्पतियों को सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।